Tender Heart High School, Sector- 33-B, Chandigarh

कक्षा - नौवीं

विषय - हिन्दी व्याकरण
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक - सरस हिन्दी व्याकरण - नौ एवं दस

उपविषय - वचन

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा नौवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ एवं दस की पृष्ठ संख्या 225 पर दिए 'वचन' को पढ़ेंगे व समझेंगे।

बच्चो! जैसे कि आप जान चुके हैं कि आज का हमारा विषय 'वचन' है इसलिए आप सभी अपनी-अपनी पुस्तक एवं उत्तर-पुस्तिका निकाल लें और पढ़ने के लिए तैयार हो जाएँ। पाठ के मध्य आपसे विषय से ही संबंधित कुछ प्रश्न भी पूछे जाएँगे, जिनके उत्तर आप विषय को ध्यानपूर्वक समझकर ही दे पाओगे। आशा करती हूँ कि अब आप पढ़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

आइए, सबसे पहले हम वचन के बारे में जान लेते हैं। बच्चो! मैंने नीचे दो वाक्य लिखे हैं, उन्हें पढ़िए :-

(क) लड़की गाती है। (ख) लड़कियाँ गाती है।

उपर्युक्त वाक्यों को आपने पढ़ा। आपने पढ़ते समय ध्यान दिया होगा कि (क) वाक्य में कर्ता शब्द एक का बोध करा रहा है जबकि (ख) वाक्य में कर्ता शब्द अनेक का बोध करा रहा है। अतः हम कह सकते हैं :-

परिभाषा - शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या का बोध हो, उसे 'वचन' कहते हैं।

वचन के भेद

हिन्दी में वचन के दो भेद हैं :-

1. एकवचन 2. बहुवचन

1. एकवचन - शब्द के जिस रूप से एक ही वस्तु, पदार्थ या प्राणी का बोध हो, उसे 'एकवचन' कहते हैं।
जैसे - लड़की, घोड़ा, चिड़िया, नदी, पंखा, माला आदि।
2. बहुवचन - शब्द के जिस रूप से एक से अधिक वस्तुओं, पदार्थों, प्राणियों का बोध हो, उसे 'बहुवचन' कहते हैं।
जैसे - लड़कियाँ, घोड़े, चिड़ियाँ, नदियाँ, पंखे, मालाएँ आदि।

वचन संबंधी महत्त्वपूर्ण नियम

वचन के विषय में नीचे कुछ महत्त्वपूर्ण नियम सदैव याद रखने चाहिए :-

1. कभी - कभी आदर प्रकट करने हेतु एकवचन के स्थान पर बहुवचन क्रिया का प्रयोग किया जाता है।
जैसे - (क) गाँधी जी सदा सच बोलते थे।
(ख) क्या आप थक गए हैं ?
2. कुछ लोग अपना अधिकार, बड़प्पन जताने के लिए 'मैं' के स्थान पर 'हम' का प्रयोग करते हैं।
जैसे - (क) हम आज ही लखनऊ से आए हैं।
(ख) पिता जी ने कहा, "हमारा कोट ले आओ।
3. कुछ शब्द जैसे दर्शन, बाल, प्राण, आँसू, हस्ताक्षर, होश, लोग, चरण, ओंठ आदि सदा बहुवचन में ही प्रयुक्त होती हैं।
जैसे - (क) उसने अपने बाल कटवा लिए।
(ख) आज आपके दर्शन हो गए।
4. कई बार जातिवाचक संज्ञा शब्द एकवचन में प्रयुक्त होता है और बहुवचन का बोध करवाता है।
जैसे - (क) सेब से स्वास्थ्य अच्छा रहता है।
(ख) मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम रचना है।
5. आग, दूध, पानी, वर्षा, जनता आदि शब्द सदैव एकवचन में प्रयुक्त होते हैं।

जैसे - (क) गर्मियों में ठंडा दूध अच्छा लगता है।
(ख) जंगल में आग लग गई।

वचन बदलने के नियम

एकवचन से बहुवचन बनाते समय दो प्रकार के नियम सामने आते हैं :-

(क) विभक्तिरहित बहुवचन बनाने के नियम
(ख) विभक्तिसहित बहुवचन बनाने के नियम

इन्हें समझने से पूर्व निम्नलिखित वाक्य ध्यान से पढ़ें :-

1. खजांची रुपये गिन रहा है। (विभक्तिरहित वाक्य)
खजांची रुपयों को गिन रहा है। (विभक्तिसहित वाक्य)
2. घोड़े घास खा रहे हैं। (विभक्ति रहित वाक्य)
वे घोड़ों को घास खिला रहे हैं। (विभक्तिसहित वाक्य)

बच्चो! इस आधार पर अब हम बहुवचन बनाने के नियमों पर विचार करेंगे।

(क) विभक्तिरहित बहुवचन बनाने संबंधी नियम

(अ) पुल्लिंग शब्दों के नियम

1. आकारान्त संज्ञाओं के अंतिम 'आ' को 'ए' में बदलकर।

जैसे :-

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
लड़का	लड़के	केला	केले
कपड़ा	कपड़े	चीता	चीते
घड़ा	घड़े	भेड़िया	भेड़िए
बूढ़ा	बूढ़े	रुपया	रुपये
बच्चा	बच्चे	रास्ता	रास्ते
लोटा	लोटे	घोड़ा	घोड़े
बेटा	बेटे	चरखा	चरखे
छाता	छाते	दाना	दाने
तोता	तोते	पंखा	पंखे

अपवाद - निम्नलिखित शब्दों के साथ यह नियम नहीं चलता-

(क) संस्कृत के कुछ आकारान्त पुल्लिंग शब्दों में - भ्राता, राजा, पिता, देवता, चंद्रमा, कर्ता, अभिनेता आदि।

(ख) संबंधों की सूचना देने वाले शब्दों में – माता, नाना, चाचा, लाला आदि।

2. कुछ शब्दों के साथ लोग, गण, वृंद, जन, समूह आदि शब्द जोड़कर भी बहुवचन बनाए जाते हैं –
जैसे – सभ्य लोग, छात्रगण, अध्यापक वृंद अधिकारी वर्ग आदि

3. निम्नलिखित पुल्लिंग शब्दों के रूप एकवचन तथा बहुवचन दोनों में ही समान रहते हैं :-

	एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
अकारांत	बालक	बालक	मनुष्य	मनुष्य
इकारांत	मुनि	मुनि	कवि	कवि
ईकारांत	योगी	योगी	गुणी	गुणी
उकारांत	साधु	साधु	गुरु	गुरु
ऊकारांत	बाबू	बाबू	हिंदू	हिंदू
एकारांत	चौबे	चौबे	दूबे	दूबे
औकारांत	जौ	जौ		

(आ) स्त्रीलिंग शब्दों के नियम

1. अकारांत स्त्रीलिंग शब्दों में अंतिम 'अ' को 'एँ' (ें) करके :-

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
आँख	आँखें	पुस्तक	पुस्तकें
बात	बातें	कलम	कलमें
रात	रातें	झील	झीलें
बहन	बहनें	दीवार	दीवारें
सड़क	सड़कें	नहर	नहरें
पेंसिल	पेंसिलें	चाल	चालें

2. आकारांत स्त्रीलिंग शब्दों में अंतिम 'आ' के आगे 'एँ' जोड़कर :-

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
सभा	सभाएँ	कथा	कथाएँ
कन्या	कन्याएँ	लता	लताएँ
अध्यापिका	अध्यापिकाएँ	महिला	महिलाएँ

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
माता	माताएँ	भावना	भावनाएँ
बालिका	बालिकाएँ	सेना	सेनाएँ
लेखिका	लेखिकाएँ	कविता	कविताएँ
कथा	कथाएँ	माला	मालाएँ

3. इकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'याँ' लगाकर -

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
जाति	जातियाँ	राशि	राशियाँ
नीति	नीतियाँ	पंक्ति	पंक्तियाँ
तिथि	तिथियाँ	निधि	निधियाँ
रीति	रीतियाँ	समिति	समितियाँ

बच्चो ! अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूँगी । प्रश्न सुनकर आप अपनी ऑडियो को तीन मिनट के लिए रोक देंगे और इस समय में आप पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे । प्रश्न इस प्रकार है :-

प्रश्न 1. 'वचन' किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित लिखिए।

प्रश्न 2. सदैव एकवचन और बहुवचन में प्रयुक्त होने वाले संज्ञा शब्दों के दो-दो उदाहरण लिखिए।

प्रश्न 3. रेखांकित शब्द का वचन बताइए :-
(क) नेता जी जनता के लिए काम करेंगे ।

प्रश्न 4. रेखांकित शब्दों के वचन बदलकर वाक्य पुनः लिखिए:
(क) बच्चा मैदान में बैठा है ।

बच्चो! प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए दिया गया समय अब समाप्त हो चुका है। आशा है कि आपने पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। पूछे गए प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं :-

उत्तर 1. शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या का बोध हो उसे वचन कहते हैं ।
जैसे - तोता - तोते , छाता - छाते , ऋतु - ऋतुएँ ।

उत्तर 2. सदैव एकवचन और बहुवचन में प्रयुक्त होने वाले शब्द हैं - बालक, मनुष्य।

उत्तर 3. नेता जी जनता के लिए काम करेंगे। रेखांकित शब्द एकवचन है।

उत्तर 4. बच्चे मैदान में बैठे हैं।

बच्चो ! विषय को आगे बढ़ाते हुए पढ़ना आरंभ करते हैं।

4. ईकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंतिम 'ई' को 'इ' में बदलकर तथा अंत में 'याँ' लगाकर -

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
नदी	नदियाँ	धोती	धोतियाँ
रानी	रानियाँ	स्त्री	स्त्रियाँ
रोटी	रोटियाँ	सखी	सखियाँ
टोपी	टोपियाँ	थाली	थालियाँ
लड़की	लड़कियाँ	नारी	नारियाँ

5. उकारांत, ऊकारांत और औकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'एँ' लगाकर (अंतिम 'ऊ' ह्रस्व कर दिया जाता है।)

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
वस्तु	वस्तुएँ	बहू	बहुएँ
धेनु	धेनुएँ	वधू	वधुएँ
ऋतु	ऋतुएँ	गौ	गौएँ

6. 'या' से अंत होने वाली संज्ञाओं को बहुवचन में बदलने के लिए अंत में (ँ) जोड़ा जाता है -

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
गुड़िया	गुड़ियाँ	कुटिया	कुटियाँ
चिड़िया	चिड़ियाँ	चुहिया	चुहियाँ
डिबिया	डिबियाँ	पुड़िया	पुड़ियाँ
बुढ़िया	बुढ़ियाँ	कुतिया	कुतियाँ

(ख) विभक्तिसहित बहुवचन बनाने के नियम -

1. अकारांत, आकारांत और उकारांत शब्दों के अंत में 'ओ' जोड़कर -

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
घर	घरों	बंदर	बंदरों
बूढ़ा	बूढ़ों	चोर	चोरों
घोड़ा	घोड़ों	मूर्ख	मूर्खों
लड़का	लड़कों	साधु	साधुओं

2. अंतिम 'अ' तथा 'आ' को 'ओं' जोड़कर -

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
माता	माताओं	राजा	राजाओं
योद्धा	योद्धाओं	लता	लताओं
पिता	पिताओं	गाथा	गाथाओं

3. इकारांत तथा ईकारांत शब्दों के अंत में 'यों' जोड़कर :-

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
कवि	कवियों	गाड़ी	गाड़ियाँ
मुनि	मुनियों	साड़ी	साड़ियाँ
रात्रि	रात्रियों	गली	गलियाँ
व्यक्ति	व्यक्तियों	नदी	नदियाँ

(अंतिम 'ई' ह्रस्व इ में बदल जाती है।)

4. संबोधन के समय इकारांत अथवा ईकारांत में जोड़कर

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
बच्चा	बच्चो	बहन	बहनो
सैनिक	सैनिको	सिपाही	सिपाहियो
मुर्गी	मुर्गियो	भाई	भाइयो

बच्चो! अब हमारा यह विषय समाप्त हो चुका है। आशा है कि आपने वचन की परिभाषा, वचन बदलने के महत्त्वपूर्ण नियमों को ध्यानपूर्वक सुना व समझा होगा। सभी छात्र इन्हें पुनः पढ़ेंगे एवं समझेंगे।

गृहकार्य - सभी छात्र अपनी पुस्तक की पृष्ठ संख्या 226 से 229 पर दिए वचन को अपनी-अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे एवं याद भी करेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]